विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

वर्ग - द्वितीय विषय - हिंदी व्याकरण

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

दिनांक - 23-06- 2021

पाठ - 3

वर्ण - विचार

सुप्रभात बच्चों ,

आज की कक्षा में आपको मात्राएं के बारे में अध्ययन करना है **जो इस प्रकार है।**

मात्रा **– Vowel Symbols**

- स्वर और व्यंजन को आपस में मिलाकर लिखने पर उनका रूप बदल जाता है।

जैसे –

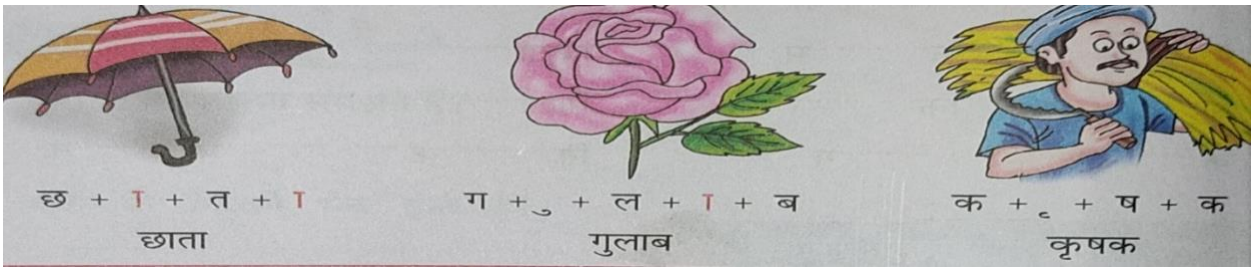

- **जब स्वर व्यंजन में मिलता है, तो पूरे स्वर की जगह उसके चिन्ह का प्रयोग किया जाता है। यह चिन्ह ही मात्रा कहलाती है ।**

स्वर और उनकी मात्राएं

स्वर	मात्रा	व्यंजन (मात्रा के साथ)		शब्द
अ	कोई मात्रा नहीं	क् + अ	(अ) + क	कमल
आ	ा	क् + आ	(आ) + का	कान
इ	ि	क् + इ	(इ) + कि	किसान
ई	ी	क् + ई	(ई) + की	कीमत
उ	ु	क् + उ	(उ) + कु	कुल
ऊ	ू	क् + ऊ	(ऊ) + कू	कूल
ऋ	ृ	क् + ऋ	(ऋ) + कृ	कृष्ण
ए	े	क् + ए	(ए) + के	केला
ऐ	ै	क् + ऐ	(ऐ) + कै	कैलाश
ओ	ो	क् + ओ	(ओ) + को	कोमल
औ	ौ	क् + औ	(औ) + कौ	कौआ

- **'र' के साथ उ अथवा ऊ की मात्रा**
  र् + उ = रु = रुपया, रुचि, तरु
  र् + ऊ = रू = रूप, रूखा , रुमाल
- **अं को अनुस्वार कहते हैं। अनुस्वार का चिन्ह (ं) है।**
  जैसे – अंग , संग ,पतंग , मंगल, दंगल, पंकज, सुंदर, सुगंध, कंघी।

गृह कार्य :-

- **बच्चों , दिए गए गृहकार्य को लिखे तथा समझने का प्रयास करेंगे -**

****

ज्योति